पाली जिले के विशेष संदर्भ में सोजत एवं मारवाड जंक्शन तहसील क माध्यमिक स्तर पर ग्रामीण तथा शहरी छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों पर पारिवारिक तथा सामाजिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

शिक्षा शास्त्र में

पी. एच. डी. की उपाधि हेतु

प्रस्तावित शोध–प्रबंध की रूपरेखा

शोध निर्देशिका
डॉ.........
शिक्षा संकाय
ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय
जयपुर राज.

शोधकर्त्री
अन्जु बारूपाल
पंजीयन संख्या
JVR-1/22/10024

शोध केन्द्र

शिक्षा शास्त्र संकाय

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर (राज.)

सन् 2022 – 2023

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	विवरण	पेज संख्या
01.	शोधकर्त्री का नाम	03—03
02.	शोध विषय	03—03
03.	शोध कार्य स्थल	03—03
04.	शोध कार्य का प्रमुख उद्देश्य	04—05
05.	प्रस्तावित शोध कार्य का महत्त्व	05—05
06.	साहित्य की समीक्षा	05—06
07.	शोध समीक्षा से सम्बन्धित साहित्य	06—08
08.	समस्या के औचित्य पर —विदेशों में हुए शोध कार्य	08—08
09.	प्रस्ताव शोध प्रबंध की अध्याय योजना , प्रथम अध्याय — शोध की पृष्ठभूमि	08—08
10.	द्वितीय अध्याय— सोजत नगर का शैक्षिक परिचय	08—09
11.	तृतीय अध्याय— मारवाड जंक्शन का शैक्षिक परिचय	09—09
12.	चतुर्थ अध्याय— सम्बन्धित साहित्य का विवेचन	09—10
13.	पंचम अध्याय— शोध योजना की कार्यविधियॉ	10—10
14.	षष्टम अध्याय— शोध अध्ययन की परिकल्पनाऍ	10—11
15.	सप्तम अध्याय— उपसंहार	11—11
16.	मुख्य शोध परिकल्पनाऍ	11—12
17.	शोध प्रविधियॉ—सर्वेक्षण विधि, न्यादर्श विधि,शोध के उपकरण, अध्ययन का परिसीमांकन, सांख्यिकी माप	12—14
18.	सन्दर्भ ग्रन्थ सूची	15—19

01. शोधकर्त्री का नाम : अंजु बारूपाल

Name of Scholar : ANJU BARUPAL

02. Title of the research work :

PALI JILE KE VISHESH SANDHRABH ME SOJAT EVAM MARWAR JUNCTION TAHSIL KE MADHYMIK STAR PAR GRAMIN TATHA SHAHRI CHHATRAO KI SEKSHIK UPLBHDHIYO PAR PARIVARIK TATHA SAMAJIK VATAVARAN KE PRABHAV KA ADHYAAN

शोध विषय

'पाली जिले के विशेष संदर्भ में सोजत एवं मारवाड जंक्शन तहसील के माध्यमिक स्तर पर ग्रामीण तथा शहरी छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों पर पारिवारिक तथा सामाजिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन '

(LOCATION)

(शोध कार्य स्थल)

प्रस्तावित शोध कार्य के लिए मैने **शिक्षा संकाय, ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय जयपुर राज.** को चुना है । इस विश्वविद्यालय में लगभग पॉच शोध निर्देशक – निर्देशिकाऍ शिक्षा संकाय में सेवारत है । जो यू.जी.सी. एवं राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान के मापदण्डों के अनुसार प्रशिक्षित है और आपको शोध निर्देशक के रूप में लगभग सात – सात वर्षो का अनुभव भी है।यह विश्वविद्यालय सम्पूर्ण भारत का एकमात्र निजी क्षेत्र में पूर्णतः

महिलाओं आवासीय विश्वविद्यालय है जो सभी सुविधाओं से युक्त है । साथ ही यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग , नैक से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय है । और राज्य सरकार द्वारा आदर्श निजी विश्वविद्यालयों की सूची में भी स्वीकृत है तथा यहॉ शोध करने सम्बन्धी सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएँ भी उपलब्ध है । इस प्रकार विश्वविद्यालय की शोध–कमेटी मुझे जो भी निर्देशक – निर्देशिकाएँ उपलब्ध करवाएगे उनके निर्देशानुसार मैं शोध कार्य प्रारम्भ करूँगी ।

अतः इन सभी कारणों से मेरे द्वारा प्रस्तुत विश्वविद्यालय को शोध कार्य के लिए चुना गया है ।

4. शोध कार्य का प्रमुख उद्देश्य :–

(Main Objective Of the Research work) :

पाली जिले के विशेष संदर्भ में सोजत एवं मारवाड जंक्शन तहसील के माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण तथा शहरी छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों पर पारिवारिक तथा सामाजिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन के अन्तर्गत प्रस्तावित शोध कार्य का उद्देश्य निम्नाकिंत है :–

01. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के शहरी छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों के प्रभाव का अध्ययन करना।
02. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के शहरी छात्राओं की पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
03. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के शहरी छात्राओं की सामाजिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
04. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों के प्रभाव का अध्ययन करना।
05. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण छात्राओं की पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
06. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण छात्राओं की सामाजिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।

07. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण तथा शहरी छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों के प्रभाव का अध्ययन करना।

08. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण तथा शहरी छात्राओं की पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।

09. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण तथा शहरी छात्राओं की सामाजिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।

05. प्रस्तावित शोध कार्य का महत्त्व :–
(Importance Of Proposed Research work) :–

प्रस्तुत शोध कार्य का प्रमुख महत्त्व है कि भारत के मानचित्र पर सोजत एवं मारवाड जंक्शन तहसील का नामकरण ,ऐतिहासिकता, आद्यौगिक यातायात आदि से परिचय कराते हुए माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण तथा शहरी छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों पर पारिवारिक तथा सामाजिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन को निरूपित करना है साथ ही शिक्षा के विशेष क्षेत्र में यथार्थ धरातल पर आधुनिक समय में पाश्चात्य सभ्यता का हमारी संस्कृति पर प्रभाव परिलक्षित होता है। मूल्यों का हमारे व्यक्तित्व पर भी प्रभाव परिलक्षित होता है जा कि व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करता है। अतः मैरे द्वारा यह महसूस किया गया कि आज कि छात्राऍ भारतीय संस्कृति को छोडकर पाश्चात्य संस्कृति को अपना रही हैं और अपने देश के मूल्यों को भूलती जा रही हैं। अतः माध्यमिक स्तर पर ग्रामीण तथा शहरी छात्राओं मानसिक विचारधाराओं को एक समरसता की कडी में जोडने में अथक प्रयास करना ओर शैक्षिक उपलब्धियों से अवगत कराना है।

06.साहित्य की समीक्षा (Review of Literature) :--

संबंधित साहित्य से तात्पर्य उन सभी प्रकार की पुस्तकों, ज्ञानकोष, पत्र–पत्रिकाओं, प्रकाशित और अप्रकाशित शोध प्रबन्धों एवं अभिलेखों आदि से हैं, जिनके

अध्ययन से शोधार्थी को अपनी समस्या के चयन, परिकल्पनाओं के निर्माण, अध्ययन की रूपरेखा एवं कार्य को आगे बढाने में सहायता होती है।

शोध समीक्षा से सम्बन्धित साहित्य

प्रस्तुत शोध कार्य में शोधकर्त्री द्वारा निम्न विद्वानों के सम्बन्धित विषय पर किये गये शोधों के अध्ययन की समीक्षा करेंगी जो शोध निम्न है :-

01. पुष्कर और ग्राविएक (2008)

उद्देश्यः- ग्रामीण छात्राओं की कॉपिंग प्रतिक्रियाओं को पहचानना।

02. याएव व कोहन - 2008

उद्देश्य :- संज्ञानात्मक व्यवहारात्मक अवरोध के प्रभाव को दबाव झेलने के लिए अचिकित्सकीय किशोरियों में वर्णित करना।

03. के.दुबत., एस. पुनिया व रश्मि गोयल

उद्देश्य :- किशोरियों में दबाव स्तर का अध्ययन और इस हेतु अपनायी गई कॉपिंग युक्ति का अध्ययन। हैदराबाद के विद्यार्थियों ने बारम्बारता रूप से सकारात्मक विधि का प्रयोग किया।

04. फील्डस व प्रिंटज (1997)

उद्देश्य :- किशोरियों द्वारा प्रयुक्त की जाने वाली दबाव झेलने की युक्तियों का अध्ययन करना। अर्न्तवैयक्तिक घटनाओ पर केन्द्रित है ।

05. विंडल और विंडल (1996)

उद्देश्य :- किशोरियों द्वारा प्रयोग लाई गई कॉपिंग युक्तियों पर की गई शोधों की समीक्षा करना। 9 वी व 10 वीं कक्षा की दबावपूर्ण परिस्थिति हेतु कॉपिंग मापनी का प्रयोग किया गया।

06. केवसेक और सिफेज क्रैंक (1996) उद्देश्य :- किशोरावस्था के दौरान की दैनिक समस्याओं की कॉपिंग प्रक्रिया की जांच करना।न्यादर्श :- 11-17 वर्ष के विद्यार्थी

निष्कर्ष -युवा छात्र उपागम आधारित और बचाव आधारित युक्ति का प्रयोग करते है। जबकि पुराने किशोरियों में उपागम आयाम व्यवहारात्मक और संज्ञानात्मक तत्वों में विभेदित पाया जाता है जबकि बचाव आयाम वैसा ही बना रहता है।

07. आर्या. एस. (1993) ने किशोरियों में नैतिक मूल्यों के विकास के लिए एक प्रयोगिक अध्ययन किया और पाया कि 9वीं कक्षा के छात्रों के नैतिक मूल्य 7वीं कक्षा के छात्रों की तुलना में अधिक थे।

08. कृष्णन. जे. स्वामी (1998) ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों के मूल्यों, शैक्षिक उपलब्धि एवं सव्यं अवधारणा के सम्बन्ध में अध्ययन किया और पाया कि स्वयं अवधारणा का प्रभाव शैक्षिक उपलब्धि और मूल्यों पर पडता है।

09. सिंह, सुरेन्द्र (2001) ने विद्यार्थी की भिन्नता का कक्षा 7 के बालकों को शाश्वत मूल्यों के प्रति अभिवृत्ति पर प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि लिंग भेद के आधार पर कक्षा 7 के बालिकाओं की शाश्वत मूल्यों के प्रति अभिवृत्ति का प्रभाव नहीं है।

10. वसुकी एन. (2003) ने विभिन्न स्तरों के स्कूलों के विद्यार्थियों पर शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि शिक्षा का प्रभाव प्राथमिक स्तर पर ग्रामीण स्कूलों से शहरी स्कूलों पर अधिक था।

11. शर्मा रमेश कुमार (2005) ने प्रवेशिका संयुक्त विद्यालयों एवं सामान्य माध्यमिक विद्यालयों के छात्राआ के जीवन मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन किया और पाया कि सामान्य माध्यमिक विद्यांलयों के छात्रों में प्रवेशिका संस्कृत विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की तुलना में जीवन मूल्य निम्न स्तर के रहें, जबकि प्रवेशिका संस्कृत विद्यालयों के छात्राओं के जीवन मूल्य उच्च स्तर के पाये गये।

12. शर्मा, वेद प्रकाश (2006) ने विद्यालय के वातावरण का 10+2 स्तर के छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षा, विद्यालय समायोजन और मूल्यों पर प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि विद्यालय के वातावरण और विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा, शैक्षिक समायोजन में सार्थक और घनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है।

13. वाई के. (2007) ने युवा पीढी में योग से नैतिक मूल्यों, सामाजिक, आध्यात्मिक मूल्यों, धार्मिक, चारित्रिक मूल्यों में परिवर्तन का तुलनात्मक अध्ययन किया और पाया कि युवा पीढी के पुरूष शिक्षकों ने नैतिक, सामाजिक, चारित्रिक, मूल्यों पर अधिक अंक प्राप्त किये। वहीं वृद्ध पीढी ने आध्यात्मिक व धार्मिक मूल्यों पर योग के प्रभाव के सकारात्मक प्रभाव पर अधिक अंक प्राप्त किये।

14. ग्रिफ, पॉल डे. (2008) ने यूरोपियन मूल्य पर अध्ययन किया। और पाया कि यूरोपियनदेशों के सभी देशों में मूल्य समान रूप से पाये जाते हैं। कुछ मूल्यों में अन्तर भी पाया जाता है।

15. सुभागवति, चन्द्रा (2011) ने छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों एवं शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया और पाया कि मूल्यों के कारण शैक्षिक उपलब्धि व सामाजिक, लोकतांत्रिक, नैतिक, आर्थिक एवं पारिवारिक मूल्यों के बीच कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

16. प्रो. प्रमीला. माथुर (2011) ने मूल्य का शैक्षिक उपलब्धि पर क्या प्रभाव पडता है यह जानने क लिए शहरी और ग्रामीण विद्यार्थियों पर तुलनात्मक अध्ययन किया और पाया कि मूल्य का शैक्षिक उपलब्धि पर गहरा प्रभाव पडता है।
17. आलपोर्ट, बर्नन तथ लिंजे (1999) ने व्यक्तिगत मूल्य सम्बन्धी एक अध्ययन किया और पाया कि इंजिनीयरिंग की छात्राओं में सैद्धान्तिक, आर्थिक और राजनैतिक मूल्यों की उच्चता पायी जाती है आर मेडिकल तथा शिक्षा की छात्राओं में सैद्धान्तिक मूल्यों की अधिकता पाई जाती है।

समस्या के औचित्य पर –विदेशों में हुए शोध कार्य

18. आलपोर्ट, बर्नन तथ लिंजे (1999) ने व्यक्तिगत मूल्य सम्बन्धी एक अध्ययन किया और पाया कि इंजिनीयरिंग की छात्राओं में सैद्धान्तिक, आर्थिक और राजनैतिक मूल्यों की उच्चता पायी जाती है और मेडिकल तथा शिक्षा के छात्रों में सैद्धान्तिक मूल्यों की अधिकता पाई जाती है।
19. ताविना, एम (2004) ने व्यक्तित्व में स्व्यं का प्रत्यक्षीकरण मूल्य और सृजनात्मकता का तुलनात्मक अध्ययन किया और पाया कि सृजनात्मक लेखकों मे सैद्धान्तिक आध्यात्मिक और सामाजिक मूल्यों से ज्यादा जुडाव पाया जाता है, बजाय राजनैतिक, धार्मिक व आर्थिक मूल्यों से।
20. सैनी अनिता (2002) ने कम्पेरिटिव स्टेडी ऑफ पर्सनेलिटी एण्ड एजुकेशनल अचीवमेंट ऑफ सीनियर सैकण्डरी स्टूडेन्ट्स आफ अलवर पर अध्ययन किया और पाया किया छात्र तथा छात्राओं, ग्रामीण व शहरी, विज्ञान व कला के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण अन्तर नहीं पाया जाता है।

प्रस्ताव शोध प्रबंध की अध्याय योजना
(Tentative Chapter Scheme)

प्रथम अध्याय

शोध की पृष्ठभूमि

द्वितीय अध्याय

सोजत नगर का शैक्षिक परिचय

1. नामकरण एवं भौगोलिक स्थिति ।
2. सोजत का संक्षिप्त इतिहास ।

3. जनसंख्या,साक्षरता वितरण ।

4. प्रमुख उद्योग – धन्धे ।

5. शिक्षा के प्रमुख केन्द्र ।

6. प्रमुख यातायात ।

7. प्रमुख जन समुदाय ।

तृतीय अध्याय

मारवाड जंक्शन का शैक्षिक परिचय

1. नामकरण एवं भौगोलिक स्थिति ।
2. मारवाड जंक्शन का संक्षिप्त इतिहास ।
3. जनसंख्या,साक्षरता वितरण ।
4. प्रमुख उद्योग – धन्धे ।
5. शिक्षा के प्रमुख केन्द्र ।
6. प्रमुख यातायात ।
7. प्रमुख जन समुदाय ।

चतुर्थ अध्याय

सम्बन्धित साहित्य का विवेचन

(क)शैक्षिक उपलब्धि

1.परिवारिक वातावरण का अर्थ ।

2.परिवार का वातावरण सामाजिक होना चाहिए ।

3.परिवार में नैतिक मूल्यों का महत्वपूर्ण स्थान होना चाहिए ।

4.परिवार में सांस्कृतिक मूल्यों का आदर होना चाहिए ।

(ख)सामाजिक स्थिति

बालक का सामाजीकरण करने वाले तत्व ।

(ग)परिवार के शैक्षिक दायित्व

1.परिवार एक सामाजीकरण की संस्था के रूप में ।
2.अध्ययन का औचित्य ।
3.अध्ययन उपकरणः—शैक्षिक उपलब्धि, पारिवारिक वातावरण एवं सामाजिक विभिन्नता ।

(घ)अध्ययन का परिसीमांकन

पंचम अध्याय

शोध योजना की कार्यविधियॉ

1.प्रस्तावना ।

2. संबंधित साहित्य का अर्थ एवं परिभाषाएँ ।

3. संबंधित साहित्य के सर्वेक्षण का महत्व ।

4. संबंधित साहित्य की आवश्यकता ।

5. संबंधित साहित्य के सर्वेक्षण के उद्देश्य ।

6. संबंधित साहित्य के सर्वेक्षण के कार्य ।

7. सूचनाओं के स्त्रोत ।

8. सम्बन्धित विषय पर किये गये शोधों का अध्ययन ।

षष्टम अध्याय

शोध अध्ययन की परिकल्पनाऍ

1.शैक्षिक उपलब्धि का मापन ।

2.पारिवारिक वातावरण परीक्षण ।

3.फलांकन ।

4.विश्वसनीयता ।

5.सामाजिक स्थिति परीक्षण का विवरण ।

6. अंकीकरणः– अंक गणना, विश्वसनीयता, वैधता, उपयोगिता ।

7. प्रयुक्त सांख्यिकी मापः–मध्यमान, प्रमाणिक विचलन, प्रमाणिक लब्धांक, टी मूल्य परीक्षण ।

सप्तम अध्याय

उपसंहार

1. प्रस्तावनाः–शैक्षिक उपलब्धि, सामाजिक वातावरण, पारिवारिक वातावरण ।

2. सुझाव :–

1.निर्देशकों हेतु सुझाव ।

2.शिक्षकों हेतु सुझाव ।

3.अभिवावकों हेतु सुझाव।

4.भावी अनुसंधान हेतु सुझाव ।

मुख्य शोध परिकल्पनाएँ (Major Research Hypothesis):--

प्रस्तुत शोध अध्ययन में निम्नाकिंत मुख्य शोध परिकल्पनाएँ व्यक्त की जायेगीः–

01. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के शहरी छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों के प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है ।

02. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के शहरी छात्राओं की पारिवारिक वातावरण के प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है ।

03. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के शहरी छात्राओं की सामाजिक वातावरण के प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है ।

04. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों के प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है ।

05. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण छात्राओं की पारिवारिक वातावरण के प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है ।

06. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण छात्राओं की सामाजिक वातावरण के प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है ।

07. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण तथा शहरी छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों के प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है ।

08. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण तथा शहरी छात्राओं की पारिवारिक वातावरण के प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है ।

09. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों के ग्रामीण तथा शहरी छात्राओं की सामाजिक वातावरण के प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है ।

शोध प्रविधियॉ (Research Methodology):--

(क) शोध विधिः–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में विषय की समस्या को भली प्रकार समझाकर, संबंधित साहित्य का अध्ययन करने के पश्चात् यह निष्कर्ष निकाला गया कि शोध समस्या के मुख्य उद्देश्य अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि से अधिक संबंधित है । अतः शोध की प्रकृति व सर्वेक्षण विधि की उपयोगिता के आधार पर शोधकर्त्री ने प्रस्तुत अनुसंधान में ऑकडों के एकत्रीकरण हेतु **सर्वेक्षण विधि** का प्रयोग किया है ।

(ख) न्यादर्श विधिः–

शोधकर्त्री द्वारा न्यादर्श में पाली जिले के विशेष संदर्भ में साजत नगर एवं मारवाड जंक्शन तहसील के माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् 800 ग्रामीण तथा शहरी छात्राओं का चयन किया जायेगा । इन छात्राओं में 400 छात्राऍ सोजत नगर तहसील

से होगी और 400 छात्राएँ मारवाड जंक्शन तहसील से होगी । अतः सोजत नगर तहसील की 400 छात्राओं का चयन 200 ग्रामीण एवं 200 शहरी के आधार पर वर्गीकरण किया जायेगा। इन 200 ग्रामीण छात्राओं को प्रत्यके पॉच (40x5 = 200) सरकारी विद्यालयों से होगीं। तथा 200 शहरी छात्राओं को प्रत्यके पॉच (40x5 = 200) सरकारी विद्यालयों से होगीं।

इसी प्रकार मारवाड जंक्शन तहसील की 400 छात्राओं का चयन 200 ग्रामीण एवं 200 शहरी के आधार पर वर्गीकरण किया जायेगा। इन 200 ग्रामीण छात्राओं को प्रत्यके पॉच (40x5 = 200) सरकारी विद्यालयों से होगीं। तथा 200 शहरी छात्राओं को प्रत्यके पॉच (40x5 = 200) सरकारी विद्यालयों से होगीं। अतः उपर्युक्त विवेचन के आधार पर शोधकर्त्री द्वारा न्यादर्श को निरूपित किया जायेगाा ।

चयनित न्यादर्श का विद्यालय संगठन एवं रहवास–वार वितरण रेखीय चित्राकंन प्रस्तुत किया गया है

न्यादर्श का चित्राकंन
कुल –800 छात्राएँ

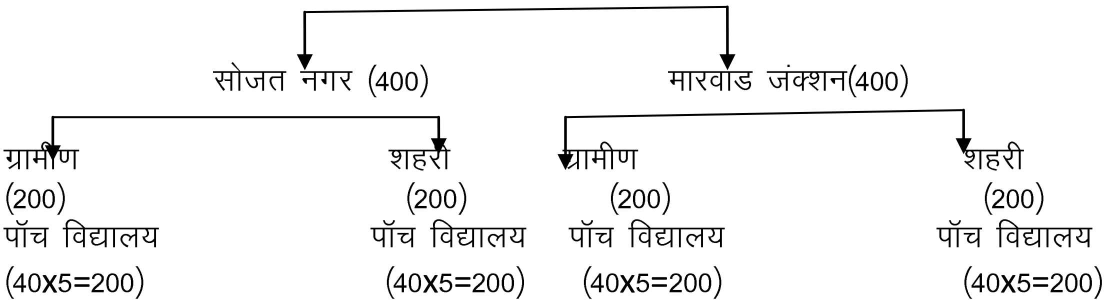

(ग) शोध के उपकरण :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में निम्नलिखित प्रमापीकृत एवं स्वनिर्मित शोध उपकरणों का प्रयोग प्रस्तावित हैः—

01. **शैक्षिक उपलब्धिः**—इसको मापने के लिए छात्राओं के हाईस्कूल परीक्षा के प्राप्तांकों को लिया गया है।

02. **पारिवारिक वातावरणः**— इसको मापने के लिए करूण शंकर मिश्र द्वारा निर्मित ग्रह वातावरण सूची का प्रयोग किया गया है।

03. **सामाजिक विभिन्नताः**—मंजूकुमारी व अरूण कुमार सिन्हा द्वारा निर्मित सामाजिक स्थिति परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

(घ) अध्ययन का परिसीमांकनः— प्रस्तुत शोध कार्य पाली जिले के विशेष संदर्भ में सोजत नगर एवं मारवाड जंक्शन तहसील के माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् ग्रामोण तथा शहरी छात्राओं तक ही सीमित रहेगा ।

(ड) शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी मापः—

सांख्यिकीय जटिल तथा अस्पष्ट सामग्री को संक्षिप्त एवं वर्गीकृत रूप में व्यक्त करती है। अव्यवस्थित आंकडो को सुबोध एव ग्राहय बनाने के लिए शोधकर्त्री द्वारा प्रस्तुत अध्ययन में निम्न अपेक्षित सांख्यिकीय विधियों का पयोग किया जायेगा।

1. मध्यमान
2. प्रमाणिक विचलन
3. प्रमाणिक लब्धांक
4. टी मूल्य परिक्षण

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

01. बोर्ग डेलनपेन; **"अण्डर स्टेडिंग एजुकेशन रिसर्च",** मेक्ग्राहिल बुक कम्पनी, न्यूयार्क, 1958

02. बेस्ट जॉन डब्ल्यू; **''"रिसर्च इन एजूकेशन",** प्रेक्टिस हॉल, (इंक) ऐंगिल बुक क्लिफस, यू.एस.ए., 1958

03. कपिल एच.के.; **"अनुसंधान विधियाँ",** एच.पी. भार्गव बुक हाउस, आगरा, 1998

04. कपिल एच.के.; **"सांख्यिकी के मूल तत्व",** एच.पी. भार्गव बुक हाउस, आगरा, 2007

05. करलिंगर एफ.एन.; **"फाउंडेशन ऑफ बिहेवरियल रिसर्च",** सेन्चुरी क्राफ्ट, न्यूयार्क, 2002

06. कुलश्रेष्ठ एस.पी.; ''**शिक्षा मनोविज्ञान'',** आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, 2008

07. मंगल अंशु बरौलिया, ए. अग्रवाल; **''शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ एवं शैक्षिक सांख्यिकी'',** राधा प्रकाशन मन्दिर, आगरा, 2007

08. मेकेगुइन, एफ.जे.; **"एक्सपेरीमेंट्स साइकोलोजी"**, प्रेक्टिस हॉल ऑफ प्रा.लि., 1969

09. भार्गव महेश; **"मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन",** हरप्रसाद भार्गव बुक हाउस, शैक्षिक प्रकाशन, आगरा, 1997,

10. भटनागर ए.बी., भटनागर मीनाक्षी; **"भारत में शैक्षिक प्रणाली का विकास",** आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, 2006

11. भटनागर सुरेश; ''**शिक्षा मनोविज्ञान'',** आर.लाल बुक डिपो, मेरठ 2008

12. भटनागर सुरेश; **''अधिगम एवं विकास के मनोसामाजिक आधार'',** इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ, 2005

13. पुरोहित जगदीश नारायण, शर्मा मुरली मनोहर; **"भावी शिक्षकों के लिये आधारभूत कार्यक्रम",** राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, पंचम संस्करण, 2002.

14. रमल जे.एम.एन.; **"इन्ट्रोडक्शन टू रिसर्च पोजीशन इन एजुकेशन",** हार्पर ब्रदर्स, न्यूयार्क, 1986.

15. राय पारसनाथ एवं भटनागर चांद; **"अनुसंधान परिचय"** लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, द्वितीय संस्करण, आगरा, 1974

16. रोकच. एम ; **"बिलीफ एटीट्यूडस एण्ड वेल्यूस"**, जैसी बॉस, सेनफ्रांसिस्को, 1968

17. रेमर्स, रूमेल एवं गेज; **"एन इन्ट्रोडक्शन टू मेजरमेन्ट एण्ड एव्ल्यूशन"**, एशिया पब्लिशिंग हाउस, बम्बई, 1964

18. शर्मा आर.ए.; ''**शिक्षा अनुसंधान''**, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ 2008

19. शर्मा आर.ए.; ''**अधिगम एवं विकास के मनोवैज्ञानिक आधार**'', आर.लाल. बुक डिपो, मेरठ, 2007

20. शर्मा, आर.ए.; **''शिक्षा अनुसंधान''**, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ, 2005

21. सरीन एवं सरीन; **"शैक्षिक अनुसंधान विधियाँ"**, विनोद पुस्तक मदिर, आगरा, नवीनतम संस्करण,2002

22. सुखिया एवं मल्होत्रा; **"शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व"**, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, (1990–91)

23. सेवानी अशोक, सिंह उमा; **''शिक्षा मनोविज्ञान**'', अग्रवाल पब्लिकेशन आगरा, प्रथम संस्करण, 2008

24. दत्ता संजय; ''**शिक्षा–मनोविज्ञान में अधिगम एवं व्यक्तित्व''**, जैन प्रकाशन मन्दिर, जयपुर, संस्करण–2005

25. क्रेच एवं क्रचफील्ड; **"थ्यौरी एण्ड प्राब्लम्स ऑफ सोशल साइकोलॉजी"**, मैग्राहिल पब्लिकेशन, न्यूयार्क 1948.

26. अग्रवाल, संध्या; ''**शिक्षा मनोविज्ञान''**, विजय प्रकाशन मन्दिर, वाराणसी, 2005

27. गुड, वी. कार्टर और स्केट्स डी.ई.; **"मैथड्स ऑफ रिसर्च"**, एप्लटन सेन्चुरी क्राफ्टस (इंक), न्यूयार्क, 1954.

28. गुडे एवं हॉट; **"मैथडस इन सोशल रिसर्च"**, मेग्राहिल बुक कम्पनी, न्यूयार्क, 1962,

29. लुण्डबर्ग; **"सोशल साइकोलोजी"**, मैकग्राहिल बुक कम्पनी, न्यूयार्क, 1962

30. फ्रेड़रिक एल. विहटनी; **"दि एलीमेन्टस ऑफ रिसर्च"**, एशिया पब्लिशिंग हाउस, न्यूयार्क, 1961

ENGLISH REFERENCES BOOKS

1.	Bem, D.J. (1970)	:	Belief, attitudes and human affairs, Belmon: C.A. Books.
2.	Fuchs, stephens (1973)	:	The aboriginal tribas on India New delhi: The Mechmilan Company:
3.	Ghurye, G.S. (1957)	:	Caste and Class in India, Bombay: Popular Book Dipo:
4.	Goode, W.J. and Hatt, P.K. (1962)	:	Method of Research New York: Mcgrawhill:
5.	Kamble, B.R. (1979)	:	Caste & Philosophy in pre-buddhist India, Aurangabad Parimal Prakashan:
6.	Lawin K. (1935)	:	Adynamic theory of personality, New York: Mcgrawhill:
7.	Sagar S.L. (1975)	:	Hindu Culture & Caste System in Inida, New Delhi, Uppal Book Pub.
8.	Dr. (Mrs.) Pratibha deo (1984)	:	Manual for self-concept rating scale (SCRS -D), National phychological corporation - Agra.
9.	Sharma, V.P. and Gupta, Anuradha (1980)	:	Mannual for Education aspiration scale (EAS) form P. Agra: National Physchological Corporation.

शोध पत्रिकाएँ

1.	भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका (जनवरी–दिसम्बर, 2012)	:	'भारतीय शिक्षा शोध संस्थान' सरस्वती कुंज निराला नगर, लखनऊ।

(जनवरी—मार्च—2013)

2. शिक्षण पत्रिका (फरवरी—2013) : 'भारतीय आधुनिक शिक्षा प्रकाशन', राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली।

3. शिविरा पत्रिका (फरवरी—2013) : प्रकाशन माध्यमिक निदेशालय, अजमेर

4. महिला शिक्षा (जनवरी – 2013) : स्वामी प्रकाशन, अंक—9 मुद्रक नरेश जैन, 446, विनोबा बस्ती, गोल बाजार, श्रीगंगानगर।

5. भारतीय आधुनिक शिक्षा : 'राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली।

हिन्दी शब्द कोश

1. अग्रवाल नरेन्द्र एवं अग्रवाल पदमा (1988) : ''मानविकी परिभाषित कोश'' (मनोविज्ञान खण्ड) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली— 110036

2. जोशी, हरदेव (1969) : ''वृहत अंग्रेजी—हिन्दी कोश'' भाग—2 ज्ञानमण्डल लिमिटेड वाराणसी (उ.प्र.)

3. हिन्दी विश्वकोष (1975) : ''नागरी प्रचारिणी सभा' काशी (उ.प्र.)

ENGLISH DISCTIONARY

1. Chopra Ramesh (2005) : Disctionary of Education, Isha Books, D-43, Prithviraj Road,

Adarsh Nagar, Delhi

2. Sharma, Sunita and B.R. Bhaitya (1978) : Disctionary of Psychology'Anmol pub.delhi pg no. 64

3. Thomas J.B. and Page G. Terry (1978) : International Disctionary of Education Kogan Page, London Pub. Company, New York

Websites

www.online.sagepub.com
www.joe.sapgepub.com
www.elsevier.com/locate/paid
www.wikkipedia.com

रिसर्च सर्वे

बुच एम.बी. "सर्वे ऑफ रिसर्च एजइलीुकेशन" III, IV, V, VI Volume